दस साल में सूख गए तालाब, पोखर और कुंड

मिटने के कगार पर आई प्राकृतिक जल संपदा की धरोहरें, अवैध कब्जों ने खत्म कर दिए लाभदायक खनिज के स्रोत

दैनिक जागरण जलदान

सूखे पड़े महाविद्या कुंड में खेलते बच्चे। दूसरे चित्र में सूखा पड़ा सरस्वती कुंड ● जागरण

जागरण संवाददाता, मथुरा : गोपेश्वर नाथ अकेले व्यक्ति नहीं हैं, जो तीस साल पहले तक तालाब गली के तालाब, बलभद्र कुंड और शिव ताल में गोता लगाकर नहाए हैं। चतुर्वेदी समाज के बहुत से युवा ऐसे ही कुंडों और तालाबों में छलांग लगाते हुए बड़े हुए हैं। झींगुर पुरा के मोहन और यमुना पार के जग्गी को भी पोखरों में डुबकी अभी तक याद है। अब बदली दिनचर्या, भागदौड़ और रेडीमेड संस्कृति ने इन्हें जकड़ जरूर लिया है, पर प्राकृतिक जल स्रोतों के पानी की महक और उनके खनिजों का सेवन वे आज भी करना चाहते हैं, पर आज कुंड, तालाब, पोखर और कुआं अतीत के दामन में सिमट चुके हैं।

बारिश की कमी, कंकरीट में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन से प्राकृतिक जल स्रोत डिस्टर्ब क्या हुए, आबादी ने जल स्रोतों को हमेशा के लिए बंद कर देने में कोई गुरेज नहीं किया। अब शहर में कुंड और तालाब गिने-चुने हैं और जो हैं, वे या तो गंदे पानी की पोखर हैं अथवा पत्थर का लिबास ओढ़े पानी की आस में टकटकी लगाए हुए हैं।

मथुरा-वृंदावन में कुंड, तालाब और पोखर पिछले दस साल में गायब ही हो गए। जो हैं, वे अपने नाम के अनुरूप प्राकृतिक जल स्रोतों का कारक नहीं रहे। और तो और कुआं भी सूख चुके हैं। घाट किनारा हो अथवा राजकीय संग्रहालय के पास का कुआं या फिर बाग-बगीचियों के कुआं या फिर गली-मुहल्लों के।

श्री कृष्ण जन्म स्थान के पास का पोतरा कुंड का दो दशक से ज्यादा समय पहले जीर्णोद्धार हो चुका है। इसमें कुछ सीढ़ियों तक पानी है, लेकिन काई युक्त है। यह न बढ़ता है और न ही घटता है। इसमें सीढ़ियों पर बनी बैठकें पानी के अभाव में दर्शनीय नहीं रही। यह परकोटे में बंद है और दूर से देखने लायक ही बचा है। लेकिन धन्य हो श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा सस्थान, जो इसकी देखरेख पर पैसा खर्च कर रहा है और इसके सौंदर्य को बचाए हुए है। सरस्वती कुंड तो इस क्षेत्र में दिखता ही नहीं है। बलभद्र कुंड की भी यही हालत है तो शिव ताल कौन सा अछूता बचा है।

महाविद्या कुंड के जीर्णोद्धार पर पर्यटन विभाग ने सालों पहले 95 लाख का खर्च किया, पर इसमें पानी नहीं है। यह खेल का मैदान बना हुआ है।

होलीगेट अंदर तालाब वाली गली का तालाब जरूर है, इसमें काफी गहराई का पानी हुआ करता था, पर अब यह भी देखने और सुनने लायक ही रह गया है। यमुना किनारे सती बुर्ज, श्याम घाट, बंगाली घाट, स्वामी घाट, असकुंडा और उससे आगे के कुआं हैं तो सही, पर इनकी उपयोगिता अब नहीं बची। कई सूख गए हैं तो तमाम यमुना के प्रदूषित पानी की वजह से इनका जल स्रोत भी प्रदूषित हो चुका है। बगीचियों के कुआं भी एकाध ही पानी पीने लायक बचे हैं। पोखरों का भी यही हाल है। पन्ना पोखर हो अथवा दूसरी पोखरें, अतिक्रमण और अवैध कब्जों ने इन्हें खत्म कर दिया है। स्टेट बैंक के पीछे की पोखर को कृष्णा नाम देकर उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने इसे संवारने का जिम्मा लिया है, लेकिन आसपास की गंदगी के लिए ड्रेनेज सिस्टम बने बिना उसका उद्धार शायद ही हो पाए।

बकरी के दूध और मांस प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण

संवाद सूत्र, फरह : शनिवार को मखदूम बकरी अनुसंधान संस्थान में मूल्य संर्विधत बकरी मांस उत्पाद प्रसंस्करण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. वी. राजकुमार ने बताया कि प्रशिक्षुओं को विभिन्न बकरी के दूध और मांस प्रसंस्करण पर स्वयं प्रयोग करके प्रशिक्षित किया गया। इस संस्थान में पहली बार ऐसा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं। देश के कई राज्यों से आए प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इनको प्रमाण पत्र के वितरण के बाद कार्यक्रम में मौजूद गोवर्धन क्षेत्र के विधायक कारिंदा सिंह ने संस्थान के देश के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। विभिन्न प्रांतों से आए प्रशिक्षुओं ने पाठ्यक्रम संरचना की सराहना की। सुझाव दिया कि यह पाठ्यक्रम शुरुआती कारोबारियों के लिए विशिष्ट है।

बकरी मांस वध, बिक्री और निर्यात के मामले में उन्हें भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न मानकों के बारे में समझाया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एमएस चौहान ने कहा कि जो भी प्रशिक्षु इस प्रशिक्षण के प्रतिभागी हैं, संस्थान उनके सहयोग में सदैव तत्पर रहेगा। इसके साथ ही आश्वस्त किया उद्योग संचालन में यदि कोई समस्या आती है तो संस्थान उनका मार्गदर्शन करेगा। मंच संचालन डॉ. अरूण कुमार वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुमन किया ने किया। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसके जिन्दल, डॉ. यूबी चौधरी, डॉ. एमके सिंह, डॉ.एसडी खर्चे, डॉ. एमएस डिगे, डॉ. नीतिका शर्मा इत्यादि उपस्थित थे।

SWC Roopam StarWorld Cinemas
Waiting Lounge | 2K Projection | 3D Movies | Better Leg Room | Cafeteria
Jurrasic World The Fallen Kingdom (2D Hindi) 10:30 AM 01:00 PM 03:30 PM 06:00 PM 09:00 PM
KAALA 10:00 AM 01:05 PM 06:35 PM 09:40 PM
VEERE DI WEDDING 04:10 PM
For Telebooking :- 9997495066
For Bulk Booking:- info@starworldcinemas.com
Online Booking- www.bookmyshow.com, www.paytm.com
Mathura- Vrindavan Road, Masani, Uttar Pradesh -281003

एक नजर

सरकारी निर्माण को भी लेनी होगी विप्रा से अनुमति

मथुरा : मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्माण कराने वालों पर नजर रखने की जिम्मेदारी थाना-चौकियों को दे दी है। अब संबंधित क्षेत्र के थाना-चौकी ऐसे निर्माणों को तत्काल रुकवा कर विप्रा को जानकारी दे सकेंगे। ऐसा निर्माण चाहे फिर कोई सरकारी विभाग ही क्यों न करा रहा हो। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष समीर वर्मा ने कहा है कि कोई निजी व्यक्ति, संस्था अथवा सरकारी विभाग भी बिना प्राधिकरण से नक्शा पास कराए निर्माण नहीं करा पाएगा। उन्होंने कहा है कि सभी के लिए निर्माण की अनुमति, उसकी अवधि आदि का बोर्ड पर डिस्प्ले करना भी अनिवार्य किया गया है। (जासं)

एडीएम ने किया निरीक्षण

मथुरा : गंगा दशहरा पर्व के मद्देनजर एडीएम वित्त व यमुना कार्ययोजना के नोडल अधिकारी रवींद्र कुमार ने सिटी मजिस्ट्रेट बसंत अग्रवाल और अपर नगर आयुक्त सुशीला अग्रवाल के साथ यमुना के घाटों का निरीक्षण किया। घाट किनारे अटी सिल्ट देखी। उन्होंने दो दिन के अंदर सिल्ट हटाने के निर्देश दिए। आश्वस्त किया कि 15 जून से यमुना में नया पानी आना शुरू हो जाएगा। सभी पंपिंग स्टेशन 24 घंटे चलेंगे। पर्व पर सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी। याची गोपेएश्वर नाथ चतुर्वेदी व माथुर चतुर्वेद परिषद के राकेश तिवारी आदि मौजूद रहे। (जासं)

अज्ञात महिला का शव मिला

कोसीकलां : शनिदेव धाम कोकिलावन में एक अर्धनग्न महिला का शव पड़ा मिला है। पुलिस मौके पर पहुंच गई। उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार सुबह आठ बजे परिक्रमार्थियों ने झाड़ियों में एक महिला का शव पडे होने की सूचना दी। उसने लाल रंग की शर्ट पहनी हुई थी। महिला की उम्र करीब 48 वर्ष के करीब बताई जा रही है। (संसू)

शांतिभंग में चार पकड़े

सुरीर : थाना क्षेत्र के गांव महमूदगढ़ी में शुक्रवार शाम प्रधान एवं विरोधी पक्ष में किसी मामले पर कहासुनी हो गई। पुलिस ने प्रधान पक्ष के ओमप्रकाश, अमर सिंह, सत्यप्रकाश एवं विरोधी पक्ष के पूरन को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान कर दिया है। (संसू)

बाइक सवार गंभीर

नौहझील : नौहझील के गांव मानागढ़ी निवासी लालसिंह शनिवार सुबह शादी के कार्ड बांटने के लिए बाइक पर मथुरा जा रहे थे। नौहझील-बाजना रोड पर सैयद के समीप सड़क पर अचानक जानवर आने से उनकी बाइक टकरा गई। लाल सिंह घायल हो गए। सीएचसी नौहझील लाया गया, हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उन्हें उपचार के लिए मथुरा रेफर कर दिया। (संसू)

तेज आंधी के बाद हुई मूसलाधार बरसात

दिन में तेज धूप और गर्म हवा चलने के बाद शाम को पन्द्रह मिनट की बारिश से मिली राहत

शनिवार शाम को आई तेज धूल भरी आंधी से अंधेरा छा गया और वाहन चालकों को दिखाई देना बंद हो गया। हाईवे पर वाहनों को रोककर खड़े राहगीर ● जागरण

शनिवार शाम को हुई बारिश में हाईवे पर लाइट जलाकर रेंगते वाहन ● जागरण

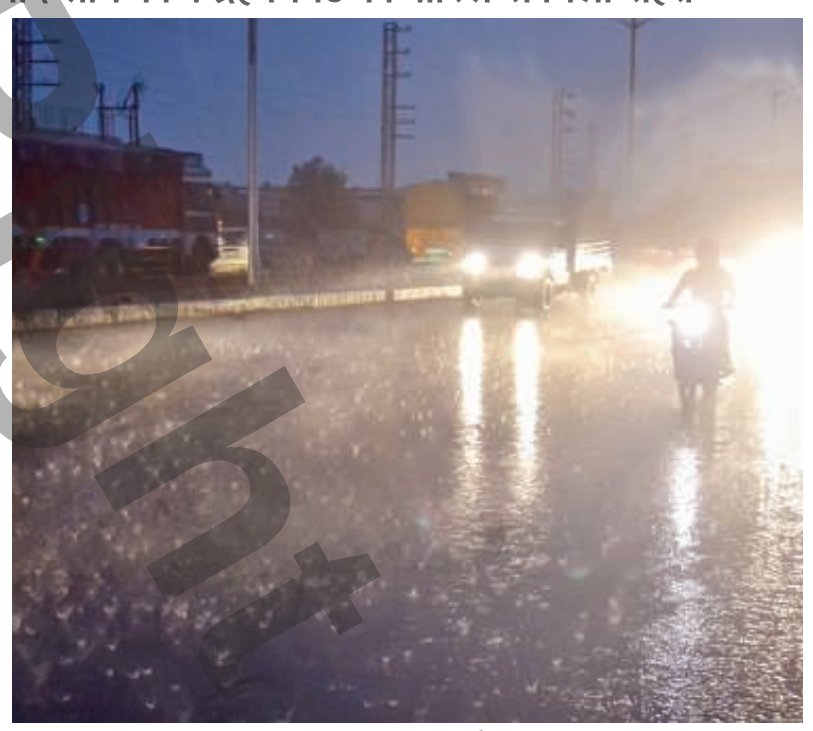

जागरण संवाददाता, मथुरा : दिन भर तेज धूप और गर्म हवा चलने के बाद शनिवार की शाम को मौसम ने पलटा खाया। शाम करीब छह बजे तेज आंधी के बाद मूसलाधार बारिश आई। इससे गर्मी से तपते श्रद्धालुओं को कुछ राहत मिली। कई दिन से पड़ रही चिलचिलाती धूप से लोग व्याकुल थे। दिन में लोग घरों से निकलने से बच रहे हैं। शनिवार को भी दिन में पड़ी भीषण गर्मी ने लोगों को घरों में कैद कर रखा था। शनिवार को आई तेज आंधी से गर्मी से राहत मिली। धूल भरी आंधी की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इस आंधी से देहात में दुकान और घरों के टीन उड़ गए। आंधी से हाईवे और शहर की सड़कों पर धूल ही धूल दिखाई देने लगी। दो पहिया वाहन चालक वाहन रोककर सड़क किनारे खड़े हो गए। आंधी के बाद आई मूसलाधार बरसात हुई। हालांकि यह बारिश 15 मिनट ही रही लेकिन इससे मौसम सुहाना हो गया। ठंडी हवाएं लोगों को सुकून देने वाली थी। आपदा प्रबंधन कंट्रोल रुम के मुताबिक आंधी से किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

निगम के वार्डों में फ्लाप शो साबित हो रहीं चौपालें

खानापूरी

- चार से 13 तक तक आयोजित होनी हैं शहरी बस्तियों में
- न योजनाओं की जानकारी है न कोई प्रपत्र बांट रहे अफसर

जागरण संवाददाता, मथुरा : नगर निगम में शामिल गांवों समेत निगम की पिछड़ी बस्तियों को भी ग्रामीण इलाका मानते हुए केंद्र और राज्य सरकार ने ग्राम चौपाल आयोजित की हैं। यह 13 जून तक चलेंगी।

वहीं नगर निगम की बस्तियों में खानापूरी की जा रही हैं। चौपालों में पहुंचने वाले अधिकारियों को न तो प्रदेश और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी है और न ही इनसे संबंधित कोई प्रपत्र है, जिसे लोगों को बांटा जा सके।

जिला प्रशासन ने ग्राम चौपालों का कार्यक्रम चार जून से शुरू होना बताया है, लेकिन चौपालों की सूची सात जून को जारी की गई है। जाहिर है नगर निगम के चयनित वार्डों में पहले तीन दिन चौपालें आयोजित नहीं की गई। सीडीओ कार्यालय से जारी सूची के अनुसार सात जून को रोटी गोदाम क्षेत्र में चौपाल होनी थी, लेकिन अधिकारियों ने स्वेच्छा से स्थान बदलकर कृष्णापुरी कर लिया। इसका कोई प्रचार-प्रसार नहीं कराया गया, जबकि स्थानीय पार्षद ने रोटी गोदाम के लिए ही मुनादी कराई थी। फलस्वरूप यह चौपाल फ्लाप साबित हुई। बस्तियों में हो रही चौपालों में जिला स्तरीय अधिकारी नहीं पहुंच रहे। जो नोडल व सह नोडल अधिकारी आ रहे हैं, उन्हें केंद्र व प्रदेश की कल्याणकारी योजनाओं की कतई जानकारी नहीं है। वह योजनाओं की केवल सूची पढ़कर सुना रहे हैं। बीते दिन देव नगर में हुई चौपाल में महापौर डॉ. मुकेश आर्यबंधु स्वयं शामिल हुए, लेकिन यहां भी समस्याओं का निस्तारण नहीं कराया गया। नगर निगम के कार्यकारिणी समिति के उप सभापति हेमंत अग्रवाल का कहना है कि वार्डों में 13 जून तक चौपाल लगाई जानी हैं। तारीख वार इनका प्रचार-प्रसार संबंधित वार्डों के पार्षदों ने तो किया है, लेकिन प्रशासनिक प्रचार कतई नहीं हो रहा। निगम क्षेत्र में अभी 13 स्थानों पर चौपालें होनी है। प्रशासन गंभीरता से काम ले तो लाभार्थियों की संख्या बढ़ सकती है।

बारिश ने चौपाल में डाला खलल

संसू, सौंख : शनिवार को कस्बा में दुग्ध और सहकारिता मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के चौपाल कार्यक्रम में बारिश ने खलल डाल दिया। इससे चौपाल का कार्यक्रम विधिवत नहीं हो सका। मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने केवल फरियादियों से ज्ञापन लेकर चौपाल की औपचारिकता निभाई।

शनिवार की शाम 5 बजे स्थानीय इंटर कालेज में दुग्ध एवं सहकारिता मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी का चौपाल का कार्यक्रम निर्धारित था। लेकिन देरी से पहुंचे मंत्री जी व फरियादियों को उस समय मायूस होना पड़ा जब मंत्री जी के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से कुछ समय पूर्व ही बारिश आ गई। हालांकि मंत्री ने बाद में कालेज प्रांगण में बैठ कर फरियादियों की शिकायत को सुना। सभी से शिकायती ज्ञापन लिए गये और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन भी दिया गया। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि हेमराज सिंह, सुधीर अग्रवाल, भरत सिंह, वीरपाल सिंह, कुमरपाल सिंह, भूपेन्द्र चौधरी, विशेष अग्रवाल, कालीचरण आदि मौजूद थे।

सभी प्रकार की स्पाइन (रीढ़ की हड्डी) एवं नसों सम्बन्धित बीमारियों का विश्वसनीय इलाज
POLARIS neurosciences
डॉ. सौरभ शर्मा
Dr. Saurabh Sharma
MCh Neurosurgery (AIIMS, New Delhi)
एम्स प्रशिक्षित ब्रेन एवं स्पाइन विशेषज्ञ
Director: LOTUS Neuro Trauma & Spine Care Centre
विशेषताऐं
- गर्दन व कमर दर्द
- स्लिप डिस्क
- स्पाइनल ट्यूमर
- सरवाइकल स्पोनडिलाइटिस
- रीढ की हड्डी की टी.बी.
- स्पाइन फ्रेक्चर

इस यूनिट में सभी प्रकार के दर्द का इलाज नवीनतम विधियों द्वारा उपलब्ध।
✔ सभी प्रकार के स्पाइन ब्लॉक–DRG Block Epidural Block , Ozone Discolysis की सुविधा।
✔ सभी प्रकार की स्पाइन सर्जरी, दूरबीन विधि द्वारा छोटे चीरे एवं बिना चीरे (MISS)
✔ Spine Rehab Program
LOTUS HOSPITAL : Deewani Crossing, M.G.Road, Agra (10 am to 12 pm)
POLARIS HOSPITAL : I-12 Lawyer's Colony, Near Pani Ki Tanki, Bye Pass Road, Agra (12 pm to 6 pm)
For Appointment / Emergency :
+91-9917413839, 9690372602, 9758053017

योगी आदित्यनाथ
मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

मुकुट बिहारी वर्मा
मा0 सहकारिता मंत्री, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0
के ऐसे बकायेदार जिन्हें 'ऋण मोचन योजना' का लाभ नहीं मिला,
उन्हें भी लाभ/राहत देने के लिए
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत
'एक मुश्त समाधान योजना-2018'
लागू
बकायेदार ऋणी सदस्यों को ब्याज में आकर्षक छूट पाने का स्वर्णिम अवसर
योजना की पात्रता
- दिनांक 31.03.1997 तक एवं उससे पूर्व के ऋणी सदस्यों को देय बकाया केवल मूलधन जमा करने पर ब्याज में शत-प्रतिशत छूट।
- दिनांक 01.04.1997 से दिनांक 31.03.2007 तक के मध्य ऋण प्राप्त करने वाले बकायेदार सदस्यों से बकाया केवल मूलधन के बराबर ब्याज जमा करने का अवसर। अवशेष ब्याज शत प्रतिशत माफ।
- दिनांक 01.04.2007 से दिनांक 31.03.2012 तक के मध्य ऋण प्राप्त करने वाले बकायेदार सदस्यों को देय समस्त मूलधन जमा करने पर देय ब्याज में 50 प्रतिशत तक की भारी छूट।
योजना दिनांक 31.03.2012 तक या उससे पहले के वितरित ऋण पर ही लागू
योजना सीमित अवधि तक के लिए लागू
अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए तुरन्त सम्बन्धित शाखा से सम्पर्क करें।
सदस्य कृषको को आकर्षक ब्याजदर 6% पर ऋण उपलब्ध

रात्रि चौपाल बलदेव क्षेत्र में दो माह में सुदृढ़ होगी बिजली आपूर्ति, गांव कारब में सुनीं समस्याएं

गांव-गरीब की सरकार जनता के द्वार

गांव कारब में रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ●

जागरण संवाददाता, मथुरा : ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कहा है कि यह सरकार गांव-गरीब की सरकार है, इसलिए सरकार के प्रतिनिधि रात्रि प्रवास कर रहे हैं। कार्यों की क्रॉस चेकिंग भी की जा रही है कि लोगों को वास्तविक रूप से लाभ मिल रहा है अथवा नहीं। 2022 तक किसानों की आय निश्चित रूप से दोगुना की जाएगी। अब मात्र 12 रुपये साल के हिसाब से दुर्घटना बीमा हो रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। आने वाले समय में फसल बीमा के तहत मात्र दो फीसद लाभार्थी को जमा करना होगा और 98 फीसद सरकार प्रीमियम अदा करेगी।

वह शुक्रवार की रात गांव कारब में जन चौपाल को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और समस्या निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को सुरक्षा कवच देने का कार्य कर रही है। 2023 तक पुराने पंपसेट की जगह सबमर्सिबल पंपसेट लगाए जाएंगे, जिससे किसान घर बैठे ही मोबाइल के माध्यम से ऑन-ऑफ कर सकेंगे। आगामी दिसंबर तक जर्जर तारों को बदलकर नए रबड़ चढ़े तार लगाए जा रहे हैं, जिससे किसी प्रकार की जनहानि होने की आशंका नहीं रहेगी। किसानों की समस्या को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रदेश में डार्क जोन समाप्त कर दिया गया है। बीपीएल धारकों को मुफ्त में विद्युत कनेक्शन दिए जा रहे हैं और आम जनता को 50 रुपये की आसान किश्तों पर कनेक्शन दिए जा रहे हैं। 31 दिसंबर तक हर घर में बिजली उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि बलदेव क्षेत्र में जर्जर तारों की समस्या तथा ट्रांसफार्मर की समस्या की निजात के लिए दो माह में व्यवस्था सुधार ली जाएगी, जिससे क्षेत्रवासियों को 18 से 20 घंटे विद्युत आपूर्ति मिलेगी। सरकार ने किसानों को आलू का सही दाम मुहैया कराया है। किसानों को कृषि यंत्रों पर सब्सिडी दी जा रही है और हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ा जा रहा है।

ग्रामीणों ने तालाब, पोखरों व शमशान भूमि से अवैध कब्जे हटाने, खेलकूद मैदान, खारे पानी की समस्या, बिजली खंभे, बिल एवं तार, पचावर माइनर में पानी न आने की समस्या, सड़कों का जीर्णोद्वार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी द्वार बनवाने आदि समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए।

रात्रि कालीन चैपाल में सीडीओ रामनिवास गुप्ता, एसडीएम उपमा पांडेय, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता सुबोध कुमार शर्मा व विनोद गंगवार, पीडी आरके त्रिवेदी, डीडीओ प्रदीप कुमार यादव, सीएमओ डॉ. शेर सिंह, बीडीओ श्वेतांक पांडे आदि के अलावा पूर्व विधायक प्रणतपाल सिंह, अवधेश उपाध्याय, प्रदीप गोस्वामी, गजेंद्र चौधरी, सुरेंद्र प्रधान, नितिन दिवाकर, राजू यादव आदि मौजूद रहे।